









## संक्षेप

**दवा लेने गई किशोरी हुई लापता, केस दर्ज कर पुलिस तलाश में जुटी**

अमन लेखनी समाचार

पयागपुर, बहराइच। थाना विशेषज्ञां अंतर्गत ग्राम पशुपत्वा तकिया निवासिनी 16 वर्षीय लक्ष्मी देवी के लापता होने की तरह रस्तानीय घटना पर दी गई है। थाना के द्वारा दौलत रामने युक्तिसंकोष दिए तहरीर में कथन किया है कि उनकी सोलह वर्षीय नानिन लक्ष्मी देवी सुख घर से दवा लेने वुडी चौराहे पर गई थी, जहां से वापस घर नहीं लौटी। काफी छोड़ जीवन करने पर भी कहीं पता नहीं चल रहा है। थाना अध्यक्ष सुरक्षा कुमार रामने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध धारा 363 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर अगली कार्यवाही की जा रही है।

**सुल्तानपुर में बेटे ने पिता को गला ढबाकर मार डाला**

सौंतेले भाई के नाम जमीन करने से था नाराज, तीन दिन पहले मुंबई से आया था

सुल्तानपुर, सुल्तानपुर में शराब के नशे में बेटे ने बाप से गली गलौज की। मारपीट की ओर गला ढबाकर मार डाला। बताया जा रहा है कि आईपीसे के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से अपने इकलौते बेटे के नाम डाई बिस्ता जमीन कर दिया था। हालांकि पुलिस शब्द का पोस्टमार्टम कराने की ओर तलाश कर रही है। घटना दोस्तपुर की नारी क्षेत्र के साहिलवाला गांव की है। जहां बीते देर रात मोहम्मद हबीब (70) पुत्र आलम अली की पुत्र मुख्तार रेख ने गला ढबाकर हड्डा कर दी। बताया जा रहा है कि मुख्तार मुंबई में रहकर मजदूरी करता है। तीन दिन पहले ही वो बहार से घर पर आया था। एकी तरफ वो बाहर से शराब और गोला घर में आया और जमीन को लेकर पिता से उलझ गया। बाप-बेटे में बहस शुरू हुई। गाली गलौज के बाद नैबूत हाथपाई तक आ गई। उसने पिता का गला ढबाकर और जब उसे मरणासन हो गए तो वो मौके से भाग निकला। थानानीय लोगों ने दोस्तपुर को घटना की सूचना दी। थानाध्यक्ष लक्ष्मीनाथ मिश्रादल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शब्द को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मुक्त मोहम्मद हबीब ने दो शादी कर रखा था। वहां लोगों से एक पुत्र है। जबली दूसरी पत्नी से एक उम्र और तीन लड़कों हैं। एक शाकी के लिए बच्ची है। मोहम्मद हबीब के पास 6 बीची पैतृक जमीन थी। जिसमें से तीन साल पहले उन्होंने पहली पत्नी के लड़के के नाम डाई बीची की जमीन का बैनान कर दिया।

**सुल्तानपुर में सड़क हादसे में एक की मौत**

सुल्तानपुर, सुल्तानपुर में काम से वापस घर लौट रहा बाइक सवार दो युवकों की समान से आ रही बाइक से भिंभिं हो गई। दूसरी बाइक पर भी दो युवक सवार थे। ऐसे में चारों युवकों का गंभीर चोट आई।

**मिल्कीपुर में निकला 10 फीट लंबा अजगर**

○ 50 किलो थारजन, वनकर्मीयों ने ग्रामीणों के सहयोग से पकड़ कर बक्चुना जगल में छोड़ा

अमन लेखनी समाचार

मिल्कीपुर, मिल्कीपुर में धान की कटाई कर रहे मजदूरों के उस वक्त होश उड़ गए, जब उसे विशाल अजगर दिखाई दिया। अजगर को देखकर मजदूर भाग खड़े हुए। शोर मचाकर खेत में काम कर रहे अन्य मजदूरों को सूचना दी। जिसमें वहां बाहुदार बाइक के खंडाला बहिरुक्त स्कूटर के सहायता से फसल काट रहे थे। तभी एक मजदूर की नजर खेत में बैठे अजगर पर पड़ी। शोर मचाकर

## मारत माता के नारों के बीच गन्तव्य की ओर रवाना हुआ अमृत कलश रथ

सांसद बहराइच ने मुख्य विकास अधिकारी संग कलश रथ को दिखायी झाड़ी नोडल अधिकारी के नेतृत्व में रथय सेवकों से गंगा रवाना हुए। 23 अमृत कलश

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा



बहराइच। भारत की आजादी के 75 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 12 मार्च, 2021 को सांसद बहराइच ने एक रथ रथय सेवकों को दिए तहरीर में कथन किया है कि उनकी सोलह वर्षीय नानिन लक्ष्मी देवी सुख घर से दवा लेने वुडी चौराहे पर गई थी, जहां से वापस घर नहीं लौटी। काफी छोड़ जीवन करने पर भी कहीं पता नहीं चल रहा है। थाना अध्यक्ष सुरक्षा कुमार रामने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध धारा 363 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर अगली कार्यवाही की जा रही है।

**सुल्तानपुर में बेटे ने पिता को गला ढबाकर मार डाला**

सौंतेले भाई के नाम जमीन करने से था नाराज, तीन दिन पहले मुंबई से आया था

सुल्तानपुर, सुल्तानपुर में शराब के नशे में बेटे ने बाप से गली गलौज की। मारपीट की ओर गला ढबाकर मार डाला। बताया जा रहा है कि आईपीसे के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से अपने इकलौते बेटे के नाम डाई बिस्ता जमीन कर दिया था। हालांकि पुलिस शब्द का पोस्टमार्टम कराने की ओर तलाश कर रही है। घटना दोस्तपुर की नारी क्षेत्र के साहिलवाला गांव की है। जहां बीते देर रात मोहम्मद हबीब (70) पुत्र आलम अली की पुत्र मुख्तार रेख ने गला ढबाकर हड्डा कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से इकलौते बेटे के नाम डाई बिस्ता जमीन कर दिया था। हालांकि पुलिस शब्द का पोस्टमार्टम कराने की ओर तलाश कर रही है। घटना दोस्तपुर की नारी क्षेत्र के साहिलवाला गांव की है। जहां बीते देर रात मोहम्मद हबीब (70) पुत्र आलम अली की पुत्र मुख्तार रेख ने गला ढबाकर हड्डा कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से इकलौते बेटे के नाम डाई बिस्ता जमीन कर दिया था। हालांकि पुलिस शब्द का पोस्टमार्टम कराने की ओर तलाश कर रही है। घटना दोस्तपुर की नारी क्षेत्र के साहिलवाला गांव की है। जहां बीते देर रात मोहम्मद हबीब (70) पुत्र आलम अली की पुत्र मुख्तार रेख ने गला ढबाकर हड्डा कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से इकलौते बेटे के नाम डाई बिस्ता जमीन कर दिया था। हालांकि पुलिस शब्द का पोस्टमार्टम कराने की ओर तलाश कर रही है। घटना दोस्तपुर की नारी क्षेत्र के साहिलवाला गांव की है। जहां बीते देर रात मोहम्मद हबीब (70) पुत्र आलम अली की पुत्र मुख्तार रेख ने गला ढबाकर हड्डा कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से इकलौते बेटे के नाम डाई बिस्ता जमीन कर दिया था। हालांकि पुलिस शब्द का पोस्टमार्टम कराने की ओर तलाश कर रही है। घटना दोस्तपुर की नारी क्षेत्र के साहिलवाला गांव की है। जहां बीते देर रात मोहम्मद हबीब (70) पुत्र आलम अली की पुत्र मुख्तार रेख ने गला ढबाकर हड्डा कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से इकलौते बेटे के नाम डाई बिस्ता जमीन कर दिया था। हालांकि पुलिस शब्द का पोस्टमार्टम कराने की ओर तलाश कर रही है। घटना दोस्तपुर की नारी क्षेत्र के साहिलवाला गांव की है। जहां बीते देर रात मोहम्मद हबीब (70) पुत्र आलम अली की पुत्र मुख्तार रेख ने गला ढबाकर हड्डा कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से इकलौते बेटे के नाम डाई बिस्ता जमीन कर दिया था। हालांकि पुलिस शब्द का पोस्टमार्टम कराने की ओर तलाश कर रही है। घटना दोस्तपुर की नारी क्षेत्र के साहिलवाला गांव की है। जहां बीते देर रात मोहम्मद हबीब (70) पुत्र आलम अली की पुत्र मुख्तार रेख ने गला ढबाकर हड्डा कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से इकलौते बेटे के नाम डाई बिस्ता जमीन कर दिया था। हालांकि पुलिस शब्द का पोस्टमार्टम कराने की ओर तलाश कर रही है। घटना दोस्तपुर की नारी क्षेत्र के साहिलवाला गांव की है। जहां बीते देर रात मोहम्मद हबीब (70) पुत्र आलम अली की पुत्र मुख्तार रेख ने गला ढबाकर हड्डा कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से इकलौते बेटे के नाम डाई बिस्ता जमीन कर दिया था। हालांकि पुलिस शब्द का पोस्टमार्टम कराने की ओर तलाश कर रही है। घटना दोस्तपुर की नारी क्षेत्र के साहिलवाला गांव की है। जहां बीते देर रात मोहम्मद हबीब (70) पुत्र आलम अली की पुत्र मुख्तार रेख ने गला ढबाकर हड्डा कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से इकलौते बेटे के नाम डाई बिस्ता जमीन कर दिया था। हालांकि पुलिस शब्द का पोस्टमार्टम कराने की ओर तलाश कर रही है। घटना दोस्तपुर की नारी क्षेत्र के साहिलवाला गांव की है। जहां बीते देर रात मोहम्मद हबीब (70) पुत्र आलम अली की पुत्र मुख्तार रेख ने गला ढबाकर हड्डा कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से इकलौते बेटे के नाम डाई बिस्ता जमीन कर दिया था। हालांकि पुलिस शब्द का पोस्टमार्टम कराने की ओर तलाश कर रही है। घटना दोस्तपुर की नारी क्षेत्र के साहिलवाला गांव की है। जहां बीते देर रात मोहम्मद हबीब (70) पुत्र आलम अली की पुत्र मुख्तार रेख ने गला ढबाकर हड्डा कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी के पिता ने दो शादी कर रखी थी। कुछ साल पहले उन्होंने पहली पत्नी से इकलौते बेटे के नाम डाई





## विशेष: सरदार पटेल जयंती, 31 अक्टूबर

आजाद भारत के प्रथम गृहनंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जीवनी जब पढ़ते हैं तो उनसे जुड़े कई ऐसे प्रसंग मिलते हैं, जिनसे हमें प्रेरणा मिलती है। वे बचपन से ही बहुत साहसी थे, अपने इरादों के प्रति अटल थे। उन्होंने आजादी के बाद बहुत रियासतों को जोड़कर भारत को मजबूत राष्ट्र बनाया।

इस ऐतिहासिक कार्य के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।

## बचपन से ही साहसी थे सरदार पटेल

## हमारे महापुरुष / अशोक जोशी

**H**र साल टौरेंग विद्यालय अपने छात्रों को देश के ऐतिहासिक स्थलों की सैर पर ले जाता है। इस बार गुजरात के केवड़ीया जाकर देश के प्रथम गृहनंत्री सरदार पटेल की विश्वविद्यालय प्रतिमा के दर्शन करने का कार्यक्रम बना। तरुणदा दिन पर सभी छात्र स्कूल प्रांगण में इकट्ठा हो गए। देसाई सर ने सभी बच्चों को हाजिरी ली। उन्हें यह भी बताया कि उन्हें यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए

रखना है, कोई भी छात्र अपनी मर्जी से इधर-उधर नहीं जाएगा। जब वह यह बता रहे थे तो दीपेश ने पूछा, 'सर, हमने सुना है कि सरदार पटेल की प्रतिमा विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा है, क्या यह सच है?'

'तुमने ऊँची सुना है। सरदार पटेल की प्रतिमा की ऊँचाई 182 मीटर वाली लागभग 600 फीट है, लेकिन तुमसे से कोई बता सकता है, इस प्रतिमा को क्या नाम दिया गया है?' देसाई सर ने सवाल किया।

इस पर अधिकारी छात्रों ने हाथ खड़े कर दिए। देसाई सर ने गोकेश से पूछा, 'तुम बताओ, इस प्रतिमा को क्या कहते हैं?'

'जी सर, स्टेचू औफ यूनिटी मतलब एकता की प्रतिमा' राकेश ने जाश से जबाब दिया।

देसाई सर ने देखा कि जब गोकेश जबाब दे रहा था, संजय अस्त्रहज दिखाई दे रहा

था। उन्होंने उससे पूछा, 'क्यों संजय! परेशन दिखाइ दे रहे होंगे?'

'जी सर, मैंने दिखाइ दे रहा जाने के लिए कल नए जूते खरीदे थे। उनसे पैरों में छाले हो गए हैं, इससे तकलीफ हो रही है।' संजय ने लगभग कराहते हुए बताया।

देसाई सर ने संजय को पास बुलाकर देखा तो मामूली-सा छाला था। वह बोले, 'बस इतने छोटे से छाले से ही घबरा गए। क्या तुमने पता है कि सरदार पटेल को बचपन में एक बहुत बड़ा फोड़ा हो गया था। ऐसे भी उन्होंने बड़े साहस का परिचय दिया था।'

'हमें नहीं पता सर, आप पूरी कहानी सुनाइए ना।' सभी छात्र जिजासा से बोले। '31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद के किसान परिवार में जमे वल्लभ भाई, जिन्हें हम सरदार पटेल कहते हैं, बचपन से ही बहुत साहसी, वीर थे। उनकी बीरता का पहला किस्सा तब कहा है, जब उन्हें एक बार बचपन में फोड़ा हो गया था।

माता-पिता ने उस फोड़े का खूब इलाज करवाया, लेकिन वह ठीक ही नहीं

दिखाने के लिए गाड़ा था।' इस पर वल्लभ भाई ने बहात रुद्धि रखी रखी थी। सरदार पटेल ने बड़ी समझदारी और कुशलता से एकीकरण की रही में आने वाली सभी रुकावटों को दूर किया। उन्होंने सैकड़ों छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलानीकर करके अखंड भारत का निर्माण किया। भारत माता के इसी स्पूत को हम केवड़िया

जाएंगे। अंग्रेज जाते-जाते अपनी कुटिल चाल चल गए थे और साथे पांच सौ से ज्यादा देसी रियासतों को अपने भवियत के निर्णय के लिए दिया था। अंग्रेज जाते-जाते अपनी बातों में गड़े थे। अंग्रेज दिखाना चाहते थे कि भारत अपने को एक नहीं रख सकता देश के सामने आजाए होने के तकाल बाद इतनी रियासतों को एक रखने की चुनौती थी। सरदार पटेल ने बड़ी समझदारी और कुशलता से एकीकरण की रही में आने वाली सभी रुकावटों को दूर किया। उन्होंने सैकड़ों छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलानीकर करके अखंड भारत का निर्माण किया। भारत माता के इसी स्पूत को हम केवड़िया जाएंगे।

'लो, बस भी आ गई।' सभी बच्चों ने एक साथ कहा और कतार लगाकर बस में बैठने के लिए धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगे। \*

## कविता

राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव



सूरज की किरणें आईं

संग उड़ाता भी लाइ।

कैली सूरज की लाली,

दुबकी की रात काली।

भूरे रुद्ध ऊँची जागे।

गाय-बैल चरने भागे।

चाय सुडकते दादाजी,

दादी काट रही भाजी।

## कहानी

नीलम राकेश

बा

बा जी धम्म से बरामदे में रखी कुर्सी पर जाकर बैठ गए। बिट्टू की बहन रिक्की ध्यान से सब देख रही थी। उसने पूछा, 'क्या हुआ बाबा जी? आप ऐसे बुझे हुए क्यों लग रहे हैं?'

बाबा जी दुखी स्वर में बोले, 'क्या कलं बेटा, सारे किंवद्ध धरे पर पानी पिल गया।'

'ऐसे क्यों बोल रहे हैं?' रिक्की चिंता में बाबा जी के करीब आ गई। 'बिट्टू की हककत तो ढाक के तीन पात जैसी है।' बाबा जी बोले। 'अरे बाबा जी, आप ऊँची से बरामद ना, क्या हुआ? और ये बिट्टू है कहां? रिक्की इधर-उधर बिट्टू को दिखाते हुए बोली।

बाबा जी ने बताया, 'अपने कमरे में बैठा रो रहा है।' 'रो रहा है! लेकिन क्यों?' रिक्की आस्त्रव्य से बोली। 'डांट कर आया हूँ माँ, बहुत जारे से डांटा हूँ।' बाबा जी बोले।

बाबा जी ने अश्वव्य से उसकी ओर देखा।

किसी तरह अपनी हांसी रोकते हुए रिक्की बोली, 'आप और डांट! कौन विश्वास करागा?' 'क्यों क्या मैं डांट नहीं सकता?' बाबा जी थोड़ा कड़क होकर बोले।

'आप कभी किसी को डांटते थीं?' रिक्की बोली। 'लेकिन आज मैं बिट्टू को बहुत डांटा हूँ।' मैं बच्चों के डांटने के पक्ष में नहीं हूँ, लेकिन बच्चे गलत आदतें न छोड़े और ढाक के तीन पात ही बने रहें तो उनके हित में उन्हें डांटना ही पड़ेगा।' बाबा जी जींगे बरामद स्वर में बोले।

'यह बात तो आपने किल्लखिला कर हँस दी।'

बाबा जी ने अश्वव्य से उसकी ओर देखा।

किसी तरह अपनी हांसी रोकते हुए रिक्की बोली, 'आप और डांट! कौन विश्वास करागा?'

'क्यों क्या मैं डांट नहीं सकता?' बाबा जी थोड़ा कड़क होकर बोले।

'आप कभी किसी को डांटते थीं?' रिक्की बोली। 'लेकिन आज मैं बिट्टू को बहुत डांटा हूँ।' मैं बच्चों के डांटने के पक्ष में नहीं हूँ, लेकिन बच्चे गलत आदतें न छोड़े और ढाक के तीन पात ही बने रहें तो उनके हित में उन्हें डांटना ही पड़ेगा।' बाबा जी जींगे बरामद स्वर में बोले।

'यह क्या बात है बाबा जी?' रिक्की ने जानना चाहा।

'इन्हें दिनों से समझा-बुझा कर उसे मोबाइल के गेम से दूर रखा था। आज इतवार का दिन था। सुबह से अपी तक सिर्फ मोबाइल पर गेम खेल रहा था।'

अपनी और उसकी साथी को बहुत बेहतर पर पानी और एक महीने की बेहतर पर देख रही थी। उसने बिट्टू को बहुत बुरा लगा। ऐसा लगा जैसे उसके साथ-साथ मैं सिर्फ भूमध्य रेखा पर रहा था।

'मतलब डांक कर आया हूँ माँ, न आप मोबाइल से होरे हैं, न मैं मोबाइल से होरे हूँ।' अमृजे अपने बाबा को बहुत बुरा लगा।

'मतलब डांक कर आया हूँ माँ, न आप मोबाइल से होरे हैं, न मैं मोबाइल से होरे हूँ।' अमृजे अपने बाबा को बहुत बुरा लगा।

'मतलब डांक कर आया हूँ माँ, न आप मोबाइल से होरे हैं, न मैं मोबाइल से होरे हूँ।' अमृजे अपने बाबा को बहुत बुरा लगा।

'मतलब डांक कर आया हूँ माँ, न आप मोबाइल से होरे हैं, न मैं मोबाइल से होरे हूँ।' अमृजे अपने बाबा को बहुत बुरा लगा।

'मतलब डांक कर आया हूँ माँ, न आप मोबाइल से होरे हैं, न मैं मोबाइल से होरे हूँ।' अमृजे अपने बाबा को बहुत बुरा लगा।

'मतलब डांक कर आया हूँ माँ, न आप मोबाइल से होरे हैं, न मैं मोबाइल से होरे हूँ।' अमृजे अपने बाबा को बहुत बुरा लगा।

'मतलब डांक कर आया हूँ माँ, न आप मोबाइल से होरे हैं, न मैं मोबाइल से होरे हूँ।' अमृजे अपने बाबा को बहुत बुरा लगा।

'मतलब डांक कर आया हूँ माँ, न आप मोबाइल से होरे हैं, न मैं मोबाइल से होरे हूँ।' अमृजे अपने बाबा को बहुत बुरा लगा।